**दिल्ली में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के पुलिस अधिकारी**

281. **श्री उग्रसेन :**
**श्री मोहन लाल पिपिल :**

क्या गृह मंत्री 3 अगस्त, 1977 के अतारांकित प्रश्न संख्या 6028 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली पुलिस में प्रत्येक श्रेणी के कुल पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों में से, अलग-अलग अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के ऐसे पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों की संख्या तथा प्रतिशतता क्या है जो दिल्ली पुलिस के विभिन्न जिलों, पुलिस स्टेशनों और यातायात शाखाओं और गैर-जिला क्षेत्रों में नियुक्त हैं ;

(ख) बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के पुलिस कर्मचारियों को गैर-जिला क्षेत्रों में नियुक्त करने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि दिल्ली में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के पुलिस अफसरों के साथ पदोन्नति तथा नियुक्ति के मामले में भेदभाव बरता जा रहा है ; और

(घ) इस असमानता और भेदभाव को दूर करने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मंडल)** : (क) और (ख). अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा पटल पर परख दिया गया है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिए संख्या एल० टी –1564/78] कुछ कर्मचारियों को जिनकी गैर जिला क्षेत्रों में नियुक्ति दिखाई है, पहले जिलों में कार्य कर चुके हैं।

(ग) और (घ). विभिन्न एककों में नियुक्तियां पूर्ण रूप से व्यक्ति की क्षमता और अनुभव तथा उस एकक की आवश्यकता के आधार पर की जाती है। नियुक्तियों अथवा पदोन्नतियों में जाति तथा धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। अनुसूचित जातियों तथा अनुचचित जनजातियों के व्यक्तियों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए सदैव प्रयास किए जाते हैं और इस सम्बन्ध में बनाये गए नियमों का पूरी तरह से पालन किया जाना है। तथापि, पूरे प्रयासों के बावजूद भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पद, पर्याप्त उम्मीदवार न मिलने केकारण नहीं भरे जा सके। इन जातियों के, उम्मीदवारों की वारी से हट कर माध्यमिक/अपर स्कूल पाठयक्रम में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है ताकि आरक्षित रिक्तियों को भरा जा सके।

**Crimes in Delhi Central District on the 26th January, 1978**

282. SHRI UGRASEN:
SHRI MAHI LAL:
SHRI MOHAN LAL PIPIL:
SHRI CHATURBHUJ:
SHRI KALYAN JAIN:
SHRI RAM KANWAR BERWA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of incidents of riots, stabbing, thefts, way-laying stoning of houses etc. in Central District of Delhi Police on the 26th January, 1978, separately Poilce-station-wise; and the number of persons arrested in this connection;

(b) whether it is a fact that certain persons stoned a house heavily in Gali Kundewalan in Hauz Kazi Police Station area and in Bagichi Tansukhram Chowk Shah Mubarak a person was stabbed and was seriously injured;

(c) if so, the number of persons involved separately in the above two incidents, the number of persons arrested among them and the number of those absconding together with the